

Those who call on others than Allāh do not *really* follow *these* ‘partners’; they follow only a conjecture, and they do nothing but guess.

فِي الْأَرْضِ ۖ وَمَا يَتَّبِعُ الَّذِينَ يَدْعُونَ
مِن دُونِ اللَّهِ شُرَكَاءَ ۖ إِنَّهُمْ يَتَّبِعُونَ
إِلَّا الظَّنَّ ۖ وَإِنْ هُمْ إِلَّا يَخْرُصُونَ ﴿٧٤﴾

*68. He it is Who has made for you the night *dark* that you may rest therein, and the day full of light. Surely, therein are Signs for a people who listen.

هُوَ الَّذِي جَعَلَ لَكُمُ اللَّيْلَ لِتَسْكُنُوا
فِيهِ ۖ وَالنَّهَارَ مُبْصِرًا ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ
لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يَسْمَعُونَ ﴿٧٥﴾

69. They say, ‘Allāh has taken unto Himself a son.’ Holy is He! He is Self-Sufficient. To Him belongs whatsoever in the heavens and whatsoever is in the earth. You have no authority for this. Do you say against Allāh what you know not?

قَالُوا اتَّخَذَ اللَّهُ وَلَدًا ۚ سُبْحَنَهُ ۚ هُوَ
الْغَنِيُّ ۚ لَهُ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي
الْأَرْضِ ۚ إِنْ عِنْدَكُمْ مِّن سُلْطٰنٍ بِهٰذَا
أَتَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿٧٦﴾

70. Say, ‘Those who invent a lie against Allāh shall not prosper.’

قُلْ إِنَّ الَّذِينَ يَفْتَرُونَ عَلَى اللَّهِ
الْكُذِبَ لَا يُفْلِحُونَ ﴿٧٧﴾

*71. *They will have some enjoyment* in this world. Then to Us is their return. Then shall We make them taste a severe punishment, because they used to disbelieve.

مَتَّاعٌ فِي الدُّنْيَا ثُمَّ إِلَيْنَا مَرْجِعُهُمْ
ثُمَّ نَذِيقُهُمُ الْعَذَابَ الشَّدِيدَ بِمَا
كَانُوا يَكْفُرُونَ ﴿٧٨﴾

R. 8.

72. And recite unto them the story of Noah, when he said to his people, ‘O my people, if my station *with God* and my reminding you *of your duty* through the Signs of Allāh offend you—and in Allāh do I put my trust—muster then *all* your designs, *you* and your ‘partners’; then let not your course of action be obscure to

وَأُتِلْ عَلَيْهِمْ نَبَأُ نُوحٍ ۖ إِذْ قَالَ لِقَوْمِهِ
يَقَوْمِ ۖ إِنَّ كَانَ كَبْرٌ عَلَيْكُمْ مَّقَامِي
وَتَذْكُرِي بِآيَاتِ اللَّهِ فَعَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْتُ
فَاجْمِعُوا أَمْرَكُمْ وَشُرَكَاءَكُمْ ثُمَّ لَا
يَكُنْ أَمْرُكُمْ عَلَيْكُمْ غُمَّةً ثُمَّ اقْضُوا إِلَيَّ

*68. He it is Who has made for you the night that you may rest therein, and the day **illuminating**.

*71. *They will have a small transient gain* in this world. Then to Us is their return. Then shall We make them taste a severe punishment, because they **would not believe**.

ع ا | ق | q | gh | ع | ط | ط | | ض | د | 297 | ص | س | ذ | dh | خ | kh | ه | ث | th | ا | u | ا

you; then carry out *your designs* against me and give me no respite.

73. 'But if you turn back, *remember*, I have not asked of you any reward.

*My reward is with Allāh alone, and I have been commanded to be of those who are resigned *to Him*.'

74. But they rejected him, so We saved him and those who were with

*him in the Ark. And We made them inheritors *of Our favours*, while We drowned those who rejected Our Signs. See then, how was the end of those who had been warned!

75. Then We sent, after him, *other* Messengers to their *respective* peoples, and they brought them clear proofs. But they would not believe *in them*, because they had rejected them before. Thus do We seal the hearts of transgressors.

76. Then did We send, after them, Moses and Aaron to Pharaoh and his chiefs with Our Signs, but they behaved arrogantly. And they were a sinful people.

77. And when there came to them the truth from Us, they said, 'This is surely a manifest enchantment.'

78. Moses said, 'Do you say *this* of the truth when it has come to you? Is this enchantment? And the enchanters never prosper.'

79. They said, 'Hast thou come to

وَلَا تُنْظِرُونَ ﴿٤٦﴾

فَإِنْ تَوَلَّيْتُمْ فَمَا سَأَلْتُكُمْ مِنْ أَجْرٍ ۖ
إِنْ أَجْرِيَ إِلَّا عَلَى اللَّهِ ۖ وَأُمِرْتُ أَنْ

أَكُونَ مِنَ الْمُسْلِمِينَ ﴿٤٧﴾

فَكَذَّبُوهُ فَنَجَّيْنَاهُ وَمَنْ مَعَهُ فِي
الْفُلْكِ وَجَعَلْنَاهُمْ خَلْفًا وَأَغْرَقْنَا
الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا ۖ فَانْظُرْ كَيْفَ
كَانَ عَاقِبَةُ الْمُنْذَرِينَ ﴿٤٨﴾

ثُمَّ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِ رَسُولًا إِلَىٰ قَوْمِهِمْ
فَجَاءَهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَمَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا
بِمَا كَذَّبُوا بِهِ مِنْ قَبْلُ ۖ كَذَلِكَ نَطْبَعُ
عَلَىٰ قُلُوبِ الْمُعْتَدِينَ ﴿٤٩﴾

ثُمَّ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِم مُّوسَىٰ وَهَارُونَ
إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَآلِهِ بِآيَاتِنَا فَاسْتَكْبَرُوا
وَكَانُوا قَوْمًا مُّجْرِمِينَ ﴿٥٠﴾

فَلَمَّا جَاءَهُمُ الْحَقُّ مِنْ عِنْدِنَا قَالُوا
إِنَّ هَذَا لَسِحْرٌ مُّبِينٌ ﴿٥١﴾

قَالَ مُوسَىٰ أَتَقُولُونَ لِلْحَقِّ لَمَّا جَاءَكُمْ ۖ
أَسِحْرٌ هَذَا وَلَا يُفْلِحُ السَّاجِرُونَ ﴿٥٢﴾

قَالُوا أَجِئْتَنَا لِنَنْفِتَنَّا عَنْهَا وَجَدْنَا

*73. ... and I have been commanded to be of those who **have submitted**.'

*74. And We made them inheritors *of the land*, while We drowned those who rejected Our Signs.

ء ٤٦ | ق | ٤٧ | غ | ٤٨ | ط | ٤٩ | ض | ٥٠ | د | ٥١ | ٥٢ | ٥٣ | ٥٤ | ٥٥ | ٥٦ | ٥٧ | ٥٨ | ٥٩ | ٦٠ | ٦١ | ٦٢ | ٦٣ | ٦٤ | ٦٥ | ٦٦ | ٦٧ | ٦٨ | ٦٩ | ٧٠ | ٧١ | ٧٢ | ٧٣ | ٧٤ | ٧٥ | ٧٦ | ٧٧ | ٧٨ | ٧٩ | ٨٠ | ٨١ | ٨٢ | ٨٣ | ٨٤ | ٨٥ | ٨٦ | ٨٧ | ٨٨ | ٨٩ | ٩٠ | ٩١ | ٩٢ | ٩٣ | ٩٤ | ٩٥ | ٩٦ | ٩٧ | ٩٨ | ٩٩ | ١٠٠ | ١٠١ | ١٠٢ | ١٠٣ | ١٠٤ | ١٠٥ | ١٠٦ | ١٠٧ | ١٠٨ | ١٠٩ | ١١٠ | ١١١ | ١١٢ | ١١٣ | ١١٤ | ١١٥ | ١١٦ | ١١٧ | ١١٨ | ١١٩ | ١٢٠ | ١٢١ | ١٢٢ | ١٢٣ | ١٢٤ | ١٢٥ | ١٢٦ | ١٢٧ | ١٢٨ | ١٢٩ | ١٣٠ | ١٣١ | ١٣٢ | ١٣٣ | ١٣٤ | ١٣٥ | ١٣٦ | ١٣٧ | ١٣٨ | ١٣٩ | ١٤٠ | ١٤١ | ١٤٢ | ١٤٣ | ١٤٤ | ١٤٥ | ١٤٦ | ١٤٧ | ١٤٨ | ١٤٩ | ١٥٠ | ١٥١ | ١٥٢ | ١٥٣ | ١٥٤ | ١٥٥ | ١٥٦ | ١٥٧ | ١٥٨ | ١٥٩ | ١٦٠ | ١٦١ | ١٦٢ | ١٦٣ | ١٦٤ | ١٦٥ | ١٦٦ | ١٦٧ | ١٦٨ | ١٦٩ | ١٧٠ | ١٧١ | ١٧٢ | ١٧٣ | ١٧٤ | ١٧٥ | ١٧٦ | ١٧٧ | ١٧٨ | ١٧٩ | ١٨٠ | ١٨١ | ١٨٢ | ١٨٣ | ١٨٤ | ١٨٥ | ١٨٦ | ١٨٧ | ١٨٨ | ١٨٩ | ١٩٠ | ١٩١ | ١٩٢ | ١٩٣ | ١٩٤ | ١٩٥ | ١٩٦ | ١٩٧ | ١٩٨ | ١٩٩ | ٢٠٠ | ٢٠١ | ٢٠٢ | ٢٠٣ | ٢٠٤ | ٢٠٥ | ٢٠٦ | ٢٠٧ | ٢٠٨ | ٢٠٩ | ٢١٠ | ٢١١ | ٢١٢ | ٢١٣ | ٢١٤ | ٢١٥ | ٢١٦ | ٢١٧ | ٢١٨ | ٢١٩ | ٢٢٠ | ٢٢١ | ٢٢٢ | ٢٢٣ | ٢٢٤ | ٢٢٥ | ٢٢٦ | ٢٢٧ | ٢٢٨ | ٢٢٩ | ٢٣٠ | ٢٣١ | ٢٣٢ | ٢٣٣ | ٢٣٤ | ٢٣٥ | ٢٣٦ | ٢٣٧ | ٢٣٨ | ٢٣٩ | ٢٤٠ | ٢٤١ | ٢٤٢ | ٢٤٣ | ٢٤٤ | ٢٤٥ | ٢٤٦ | ٢٤٧ | ٢٤٨ | ٢٤٩ | ٢٥٠ | ٢٥١ | ٢٥٢ | ٢٥٣ | ٢٥٤ | ٢٥٥ | ٢٥٦ | ٢٥٧ | ٢٥٨ | ٢٥٩ | ٢٦٠ | ٢٦١ | ٢٦٢ | ٢٦٣ | ٢٦٤ | ٢٦٥ | ٢٦٦ | ٢٦٧ | ٢٦٨ | ٢٦٩ | ٢٧٠ | ٢٧١ | ٢٧٢ | ٢٧٣ | ٢٧٤ | ٢٧٥ | ٢٧٦ | ٢٧٧ | ٢٧٨ | ٢٧٩ | ٢٨٠ | ٢٨١ | ٢٨٢ | ٢٨٣ | ٢٨٤ | ٢٨٥ | ٢٨٦ | ٢٨٧ | ٢٨٨ | ٢٨٩ | ٢٩٠ | ٢٩١ | ٢٩٢ | ٢٩٣ | ٢٩٤ | ٢٩٥ | ٢٩٦ | ٢٩٧ | ٢٩٨ | ٢٩٩ | ٣٠٠ | ٣٠١ | ٣٠٢ | ٣٠٣ | ٣٠٤ | ٣٠٥ | ٣٠٦ | ٣٠٧ | ٣٠٨ | ٣٠٩ | ٣١٠ | ٣١١ | ٣١٢ | ٣١٣ | ٣١٤ | ٣١٥ | ٣١٦ | ٣١٧ | ٣١٨ | ٣١٩ | ٣٢٠ | ٣٢١ | ٣٢٢ | ٣٢٣ | ٣٢٤ | ٣٢٥ | ٣٢٦ | ٣٢٧ | ٣٢٨ | ٣٢٩ | ٣٣٠ | ٣٣١ | ٣٣٢ | ٣٣٣ | ٣٣٤ | ٣٣٥ | ٣٣٦ | ٣٣٧ | ٣٣٨ | ٣٣٩ | ٣٤٠ | ٣٤١ | ٣٤٢ | ٣٤٣ | ٣٤٤ | ٣٤٥ | ٣٤٦ | ٣٤٧ | ٣٤٨ | ٣٤٩ | ٣٥٠ | ٣٥١ | ٣٥٢ | ٣٥٣ | ٣٥٤ | ٣٥٥ | ٣٥٦ | ٣٥٧ | ٣٥٨ | ٣٥٩ | ٣٦٠ | ٣٦١ | ٣٦٢ | ٣٦٣ | ٣٦٤ | ٣٦٥ | ٣٦٦ | ٣٦٧ | ٣٦٨ | ٣٦٩ | ٣٧٠ | ٣٧١ | ٣٧٢ | ٣٧٣ | ٣٧٤ | ٣٧٥ | ٣٧٦ | ٣٧٧ | ٣٧٨ | ٣٧٩ | ٣٨٠ | ٣٨١ | ٣٨٢ | ٣٨٣ | ٣٨٤ | ٣٨٥ | ٣٨٦ | ٣٨٧ | ٣٨٨ | ٣٨٩ | ٣٩٠ | ٣٩١ | ٣٩٢ | ٣٩٣ | ٣٩٤ | ٣٩٥ | ٣٩٦ | ٣٩٧ | ٣٩٨ | ٣٩٩ | ٤٠٠ | ٤٠١ | ٤٠٢ | ٤٠٣ | ٤٠٤ | ٤٠٥ | ٤٠٦ | ٤٠٧ | ٤٠٨ | ٤٠٩ | ٤١٠ | ٤١١ | ٤١٢ | ٤١٣ | ٤١٤ | ٤١٥ | ٤١٦ | ٤١٧ | ٤١٨ | ٤١٩ | ٤٢٠ | ٤٢١ | ٤٢٢ | ٤٢٣ | ٤٢٤ | ٤٢٥ | ٤٢٦ | ٤٢٧ | ٤٢٨ | ٤٢٩ | ٤٣٠ | ٤٣١ | ٤٣٢ | ٤٣٣ | ٤٣٤ | ٤٣٥ | ٤٣٦ | ٤٣٧ | ٤٣٨ | ٤٣٩ | ٤٤٠ | ٤٤١ | ٤٤٢ | ٤٤٣ | ٤٤٤ | ٤٤٥ | ٤٤٦ | ٤٤٧ | ٤٤٨ | ٤٤٩ | ٤٥٠ | ٤٥١ | ٤٥٢ | ٤٥٣ | ٤٥٤ | ٤٥٥ | ٤٥٦ | ٤٥٧ | ٤٥٨ | ٤٥٩ | ٤٦٠ | ٤٦١ | ٤٦٢ | ٤٦٣ | ٤٦٤ | ٤٦٥ | ٤٦٦ | ٤٦٧ | ٤٦٨ | ٤٦٩ | ٤٧٠ | ٤٧١ | ٤٧٢ | ٤٧٣ | ٤٧٤ | ٤٧٥ | ٤٧٦ | ٤٧٧ | ٤٧٨ | ٤٧٩ | ٤٨٠ | ٤٨١ | ٤٨٢ | ٤٨٣ | ٤٨٤ | ٤٨٥ | ٤٨٦ | ٤٨٧ | ٤٨٨ | ٤٨٩ | ٤٩٠ | ٤٩١ | ٤٩٢ | ٤٩٣ | ٤٩٤ | ٤٩٥ | ٤٩٦ | ٤٩٧ | ٤٩٨ | ٤٩٩ | ٥٠٠ | ٥٠١ | ٥٠٢ | ٥٠٣ | ٥٠٤ | ٥٠٥ | ٥٠٦ | ٥٠٧ | ٥٠٨ | ٥٠٩ | ٥١٠ | ٥١١ | ٥١٢ | ٥١٣ | ٥١٤ | ٥١٥ | ٥١٦ | ٥١٧ | ٥١٨ | ٥١٩ | ٥٢٠ | ٥٢١ | ٥٢٢ | ٥٢٣ | ٥٢٤ | ٥٢٥ | ٥٢٦ | ٥٢٧ | ٥٢٨ | ٥٢٩ | ٥٣٠ | ٥٣١ | ٥٣٢ | ٥٣٣ | ٥٣٤ | ٥٣٥ | ٥٣٦ | ٥٣٧ | ٥٣٨ | ٥٣٩ | ٥٤٠ | ٥٤١ | ٥٤٢ | ٥٤٣ | ٥٤٤ | ٥٤٥ | ٥٤٦ | ٥٤٧ | ٥٤٨ | ٥٤٩ | ٥٥٠ | ٥٥١ | ٥٥٢ | ٥٥٣ | ٥٥٤ | ٥٥٥ | ٥٥٦ | ٥٥٧ | ٥٥٨ | ٥٥٩ | ٥٦٠ | ٥٦١ | ٥٦٢ | ٥٦٣ | ٥٦٤ | ٥٦٥ | ٥٦٦ | ٥٦٧ | ٥٦٨ | ٥٦٩ | ٥٧٠ | ٥٧١ | ٥٧٢ | ٥٧٣ | ٥٧٤ | ٥٧٥ | ٥٧٦ | ٥٧٧ | ٥٧٨ | ٥٧٩ | ٥٨٠ | ٥٨١ | ٥٨٢ | ٥٨٣ | ٥٨٤ | ٥٨٥ | ٥٨٦ | ٥٨٧ | ٥٨٨ | ٥٨٩ | ٥٩٠ | ٥٩١ | ٥٩٢ | ٥٩٣ | ٥٩٤ | ٥٩٥ | ٥٩٦ | ٥٩٧ | ٥٩٨ | ٥٩٩ | ٦٠٠ | ٦٠١ | ٦٠٢ | ٦٠٣ | ٦٠٤ | ٦٠٥ | ٦٠٦ | ٦٠٧ | ٦٠٨ | ٦٠٩ | ٦١٠ | ٦١١ | ٦١٢ | ٦١٣ | ٦١٤ | ٦١٥ | ٦١٦ | ٦١٧ | ٦١٨ | ٦١٩ | ٦٢٠ | ٦٢١ | ٦٢٢ | ٦٢٣ | ٦٢٤ | ٦٢٥ | ٦٢٦ | ٦٢٧ | ٦٢٨ | ٦٢٩ | ٦٣٠ | ٦٣١ | ٦٣٢ | ٦٣٣ | ٦٣٤ | ٦٣٥ | ٦٣٦ | ٦٣٧ | ٦٣٨ | ٦٣٩ | ٦٤٠ | ٦٤١ | ٦٤٢ | ٦٤٣ | ٦٤٤ | ٦٤٥ | ٦٤٦ | ٦٤٧ | ٦٤٨ | ٦٤٩ | ٦٥٠ | ٦٥١ | ٦٥٢ | ٦٥٣ | ٦٥٤ | ٦٥٥ | ٦٥٦ | ٦٥٧ | ٦٥٨ | ٦٥٩ | ٦٦٠ | ٦٦١ | ٦٦٢ | ٦٦٣ | ٦٦٤ | ٦٦٥ | ٦٦٦ | ٦٦٧ | ٦٦٨ | ٦٦٩ | ٦٧٠ | ٦٧١ | ٦٧٢ | ٦٧٣ | ٦٧٤ | ٦٧٥ | ٦٧٦ | ٦٧٧ | ٦٧٨ | ٦٧٩ | ٦٨٠ | ٦٨١ | ٦٨٢ | ٦٨٣ | ٦٨٤ | ٦٨٥ | ٦٨٦ | ٦٨٧ | ٦٨٨ | ٦٨٩ | ٦٩٠ | ٦٩١ | ٦٩٢ | ٦٩٣ | ٦٩٤ | ٦٩٥ | ٦٩٦ | ٦٩٧ | ٦٩٨ | ٦٩٩ | ٧٠٠ | ٧٠١ | ٧٠٢ | ٧٠٣ | ٧٠٤ | ٧٠٥ | ٧٠٦ | ٧٠٧ | ٧٠٨ | ٧٠٩ | ٧١٠ | ٧١١ | ٧١٢ | ٧١٣ | ٧١٤ | ٧١٥ | ٧١٦ | ٧١٧ | ٧١٨ | ٧١٩ | ٧٢٠ | ٧٢١ | ٧٢٢ | ٧٢٣ | ٧٢٤ | ٧٢٥ | ٧٢٦ | ٧٢٧ | ٧٢٨ | ٧٢٩ | ٧٣٠ | ٧٣١ | ٧٣٢ | ٧٣٣ | ٧٣٤ | ٧٣٥ | ٧٣٦ | ٧٣٧ | ٧٣٨ | ٧٣٩ | ٧٤٠ | ٧٤١ | ٧٤٢ | ٧٤٣ | ٧٤٤ | ٧٤٥ | ٧٤٦ | ٧٤٧ | ٧٤٨ | ٧٤٩ | ٧٥٠ | ٧٥١ | ٧٥٢ | ٧٥٣ | ٧٥٤ | ٧٥٥ | ٧٥٦ | ٧٥٧ | ٧٥٨ | ٧٥٩ | ٧٦٠ | ٧٦١ | ٧٦٢ | ٧٦٣ | ٧٦٤ | ٧٦٥ | ٧٦٦ | ٧٦٧ | ٧٦٨ | ٧٦٩ | ٧٧٠ | ٧٧١ | ٧٧٢ | ٧٧٣ | ٧٧٤ | ٧٧٥ | ٧٧٦ | ٧٧٧ | ٧٧٨ | ٧٧٩ | ٧٨٠ | ٧٨١ | ٧٨٢ | ٧٨٣ | ٧٨٤ | ٧٨٥ | ٧٨٦ | ٧٨٧ | ٧٨٨ | ٧٨٩ | ٧٩٠ | ٧٩١ | ٧٩٢ | ٧٩٣ | ٧٩٤ | ٧٩٥ | ٧٩٦ | ٧٩٧ | ٧٩٨ | ٧٩٩ | ٨٠٠ | ٨٠١ | ٨٠٢ | ٨٠٣ | ٨٠٤ | ٨٠٥ | ٨٠٦ | ٨٠٧ | ٨٠٨ | ٨٠٩ | ٨١٠ | ٨١١ | ٨١٢ | ٨١٣ | ٨١٤ | ٨١٥ | ٨١٦ | ٨١٧ | ٨١٨ | ٨١٩ | ٨٢٠ | ٨٢١ | ٨٢٢ | ٨٢٣ | ٨٢٤ | ٨٢٥ | ٨٢٦ | ٨٢٧ | ٨٢٨ | ٨٢٩ | ٨٣٠ | ٨٣١ | ٨٣٢ | ٨٣٣ | ٨٣٤ | ٨٣٥ | ٨٣٦ | ٨٣٧ | ٨٣٨ | ٨٣٩ | ٨٤٠ | ٨٤١ | ٨٤٢ | ٨٤٣ | ٨٤٤ | ٨٤٥ | ٨٤٦ | ٨٤٧ | ٨٤٨ | ٨٤٩ | ٨٥٠ | ٨٥١ | ٨٥٢ | ٨٥٣ | ٨٥٤ | ٨٥٥ | ٨٥٦ | ٨٥٧ | ٨٥٨ | ٨٥٩ | ٨٦٠ | ٨٦١ | ٨٦٢ | ٨٦٣ | ٨٦٤ | ٨٦٥ | ٨٦٦ | ٨٦٧ | ٨٦٨ | ٨٦٩ | ٨٧٠ | ٨٧١ | ٨٧٢ | ٨٧٣ | ٨٧٤ | ٨٧٥ | ٨٧٦ | ٨٧٧ | ٨٧٨ | ٨٧٩ | ٨٨٠ | ٨٨١ | ٨٨٢ | ٨٨٣ | ٨٨٤ | ٨٨٥ | ٨٨٦ | ٨٨٧ | ٨٨٨ | ٨٨٩ | ٨٩٠ | ٨٩١ | ٨٩٢ | ٨٩٣ | ٨٩٤ | ٨٩٥ | ٨٩٦ | ٨٩٧ | ٨٩٨ | ٨٩٩ | ٩٠٠ | ٩٠١ | ٩٠٢ | ٩٠٣ | ٩٠٤ | ٩٠٥ | ٩٠٦ | ٩٠٧ | ٩٠٨ | ٩٠٩ | ٩١٠ | ٩١١ | ٩١٢ | ٩١٣ | ٩١٤ | ٩١٥ | ٩١٦ | ٩١٧ | ٩١٨ | ٩١٩ | ٩٢٠ | ٩٢١ | ٩٢٢ | ٩٢٣ | ٩٢٤ | ٩٢٥ | ٩٢٦ | ٩٢٧ | ٩٢٨ | ٩٢٩ | ٩٣٠ | ٩٣١ | ٩٣٢ | ٩٣٣ | ٩٣٤ | ٩٣٥ | ٩٣٦ | ٩٣٧ | ٩٣٨ | ٩٣٩ | ٩٤٠ | ٩٤١ | ٩٤٢ | ٩٤٣ | ٩٤٤ | ٩٤٥ | ٩٤٦ | ٩٤٧ | ٩٤٨ | ٩٤٩ | ٩٥٠ | ٩٥١ | ٩٥٢ | ٩٥٣ | ٩٥٤ | ٩٥٥ | ٩٥٦ | ٩٥٧ | ٩٥٨ | ٩٥٩ | ٩٦٠ | ٩٦١ | ٩٦٢ | ٩٦٣ | ٩٦٤ | ٩٦٥ | ٩٦٦ | ٩٦٧ | ٩٦٨ | ٩٦٩ | ٩٧٠ | ٩٧١ | ٩٧٢ | ٩٧٣ | ٩٧٤ | ٩٧٥ | ٩٧٦ | ٩٧٧ | ٩٧٨ | ٩٧٩ | ٩٨٠ | ٩٨١ | ٩٨٢ | ٩٨٣ | ٩٨٤ | ٩٨٥ | ٩٨٦ | ٩٨٧ | ٩٨٨ | ٩٨٩ | ٩٩٠ | ٩٩١ | ٩٩٢ | ٩٩٣ | ٩٩٤ | ٩٩٥ | ٩٩٦ | ٩٩٧ | ٩٩٨ | ٩٩٩ | ١٠٠٠ | ١٠٠١ | ١٠٠٢ | ١٠٠٣ | ١٠٠٤ | ١٠٠٥ | ١٠٠٦ | ١٠٠٧ | ١٠٠٨ | ١٠٠٩ | ١٠١٠ | ١٠١١ | ١٠١٢ | ١٠١٣ | ١٠١٤ | ١٠١٥ | ١٠١٦ | ١٠١٧ | ١٠١٨ | ١٠١٩ | ١٠٢٠ | ١٠٢١ | ١٠٢٢ | ١٠٢٣ | ١٠٢٤ | ١٠٢٥ | ١٠٢٦ | ١٠٢٧ | ١٠٢٨ | ١٠٢٩ | ١٠٣٠ | ١٠٣١ | ١٠٣٢ | ١٠٣٣ | ١٠٣٤ | ١٠٣٥ | ١٠٣٦ | ١٠٣٧ | ١٠٣٨ | ١٠٣٩ | ١٠٤٠ | ١٠٤١ | ١٠٤٢ | ١٠٤٣ | ١٠٤٤ | ١٠٤٥ | ١٠٤٦ | ١٠٤٧ | ١٠٤٨ | ١٠٤٩ | ١٠٥٠ | ١٠٥١ | ١٠٥٢ | ١٠٥٣ | ١٠٥٤ | ١٠٥٥ | ١٠٥٦ | ١٠٥٧ | ١٠٥٨ | ١٠٥٩ | ١٠٦٠ | ١٠٦١ | ١٠٦٢ | ١٠٦٣ | ١٠٦٤ | ١٠٦٥ | ١٠٦٦ | ١٠٦٧ | ١٠٦٨ | ١٠٦٩ | ١٠٧٠ | ١٠٧١ | ١٠٧٢ | ١٠٧٣ | ١٠٧٤ | ١٠٧٥ | ١٠٧٦ | ١٠٧٧ | ١٠٧٨ | ١٠٧٩ | ١٠٨٠ | ١٠٨١ | ١٠٨٢ | ١٠٨٣ | ١٠٨٤ | ١٠٨٥ | ١٠٨٦ | ١٠٨٧ | ١٠٨٨ | ١٠٨٩ | ١٠٩٠ | ١٠٩١ | ١٠٩٢ | ١٠٩٣ | ١٠٩٤ | ١٠٩٥ | ١٠٩٦ | ١٠٩٧ | ١٠٩٨ | ١٠٩٩ | ١١٠٠ | ١١٠١ | ١١٠٢ | ١١٠٣ | ١١٠٤ | ١١٠٥ | ١١٠٦ | ١١٠٧ | ١١٠٨ | ١١٠٩ | ١١١٠ | ١١١١ | ١١١٢ | ١١١٣ | ١١١٤ | ١١١٥ | ١١١٦ | ١١١٧ | ١١١٨ | ١١١٩ | ١١٢٠ | ١١٢١ | ١١٢٢ | ١١٢٣ | ١١٢٤ | ١١٢٥ | ١١٢٦ | ١١٢٧ | ١١٢٨ | ١١٢٩ | ١١٣٠ | ١١٣١ | ١١٣٢ | ١١٣٣ | ١١٣٤ | ١١٣٥ | ١١٣٦ | ١١٣٧ | ١١٣٨ | ١١٣٩ | ١١٤٠ | ١١٤١ | ١١٤٢ | ١١٤٣ | ١١٤٤ | ١١٤٥ | ١١٤٦ | ١١٤٧ | ١١٤٨ | ١١٤٩ | ١١٥٠ | ١١٥١ | ١١٥٢ | ١١٥٣ | ١١٥٤ | ١١٥٥ | ١١٥٦ | ١١٥٧ | ١١٥٨ | ١١٥٩ | ١١٦٠ | ١١٦١ | ١١٦٢ | ١١٦٣ | ١١٦٤ | ١١٦٥ | ١١٦٦ | ١١٦٧ | ١١٦٨ | ١١٦٩ | ١١٧٠ | ١١٧١ | ١١٧٢ | ١١٧٣ | ١١٧٤ | ١١٧٥ | ١١٧٦ | ١١٧٧ | ١١٧٨ | ١١٧٩ | ١١٨٠ | ١١٨١ | ١١٨٢ | ١١٨٣ | ١١٨٤ | ١١٨٥ | ١١٨٦ | ١١٨٧ | ١١٨٨ | ١١٨٩ | ١١٩٠ | ١١٩١ | ١١٩٢ | ١١٩٣ | ١١٩٤ | ١١٩٥ | ١١٩٦ | ١١٩٧ | ١١٩٨ | ١١٩٩ | ١٢٠٠ | ١٢٠١ | ١٢٠٢ | ١٢٠٣ | ١٢٠٤ | ١٢٠٥ | ١٢٠٦ | ١٢٠٧ | ١٢٠٨ | ١٢٠٩ | ١٢١٠ | ١٢١١ | ١٢١٢ | ١٢١٣ | ١٢١٤ | ١٢١٥ | ١٢١٦ | ١٢١٧ | ١٢١٨ | ١٢١٩ | ١٢٢٠ | ١٢٢١ | ١٢٢٢ | ١٢٢٣ | ١٢٢٤ | ١٢٢٥ | ١٢٢٦ | ١٢٢٧ | ١٢٢٨ | ١٢٢٩ | ١٢٣٠ | ١٢٣١ | ١٢٣٢ | ١٢٣٣ | ١٢٣٤ | ١٢٣٥ | ١٢٣٦ | ١٢٣٧ | ١٢٣٨ | ١٢٣٩ | ١٢٤٠ | ١٢٤١ | ١٢٤٢ | ١٢٤٣ | ١٢٤٤ | ١٢٤٥ | ١٢٤٦ | ١٢٤٧ | ١٢٤٨ | ١٢٤٩ | ١٢٥٠ | ١٢٥١ | ١٢٥٢ | ١٢٥٣ | ١٢٥٤ | ١٢٥٥ | ١٢٥٦ | ١٢٥٧ | ١٢٥٨ | ١٢٥٩ | ١٢٦٠ | ١٢٦١ | ١٢٦٢ | ١٢٦٣ | ١٢٦٤ | ١٢٦٥ | ١٢٦٦ | ١٢٦٧ | ١٢٦٨ | ١٢٦٩ | ١٢٧٠ | ١٢٧١ | ١٢٧٢ | ١٢٧٣ | ١٢٧٤ | ١٢٧٥ | ١٢٧٦ | ١٢٧٧ | ١٢٧٨ | ١٢٧٩ | ١٢٨٠ | ١٢٨١ | ١٢٨٢ | ١٢٨٣ | ١٢٨٤ | ١٢٨٥ | ١٢٨٦ | ١٢٨٧ | ١٢٨٨ | ١٢٨٩ | ١٢٩٠ | ١٢٩١ | ١٢٩٢ | ١٢٩٣ | ١٢٩٤ | ١٢٩٥ | ١٢٩٦ | ١٢٩٧ | ١٢٩٨ | ١٢٩٩ | ١٣٠٠ | ١٣٠١ | ١٣٠٢ | ١٣٠٣ | ١٣٠٤ | ١٣٠٥ | ١٣٠٦ | ١٣٠٧ | ١٣٠٨ | ١٣٠٩ | ١٣١٠ | ١٣١١ | ١٣١

us that thou mayest turn us away from what we found our fathers following, and that you two may have greatness in the land? But we will not believe in either of you.'

80. And Pharaoh said, 'Bring to me every expert magician.'

81. And when the magicians came, Moses said to them, 'Cast ye what you would cast.'

82. And when they had cast, Moses said, 'What you have brought is *mere* sorcery. Surely, Allāh will make it vain. Verily, Allāh does not allow the work of mischief-makers to prosper.

83. 'And Allāh establishes the truth by His words, even though the sinners be averse to it.'

R. 9.

*84. And none obeyed Moses save some youths from among his people, because of the fear of Pharaoh and their chiefs, lest he should persecute them. And of a truth, Pharaoh was a tyrant in the land and surely he was of the transgressors.

85. And Moses said, 'O my people, if you have believed in Allāh, then in Him put your trust, if you indeed submit to His will.'

86. And they said, 'In Allāh do we

عَلَيْهِ أَبَاءَنَا وَتَكُونُ لَكُمَا الْكِبْرِيَاءُ فِي
الْأَرْضِ ۖ وَمَا نَحْنُ لَكُمَا بِمُؤْمِنِينَ ﴿٨٠﴾

وَقَالَ فِرْعَوْنُ ائْتُونِي بِكُلِّ سِحْرِ عَلِيمٍ ﴿٨١﴾

فَلَمَّا جَاءَ السَّحَرَةُ قَالَ لَهُمْ مُوسَى
الْقُوا مَا أَنْتُمْ مُلْقُونَ ﴿٨٢﴾

فَلَمَّا أَلْقَوْا قَالَ مُوسَى مَا جِئْتُمْ بِهِ
السَّحَرُ ۚ إِنَّ اللَّهَ سَيُبْطِلُهُ ۚ إِنَّ اللَّهَ
لَا يُصْلِحُ عَمَلَ الْمُفْسِدِينَ ﴿٨٣﴾

وَيُحَقِّقُ اللَّهُ الْحَقَّ بِكَلِمَتِهِ وَلَوْ كَرِهَ
الْمُجْرِمُونَ ﴿٨٤﴾

فَمَا آمَنَ لِمُوسَى إِلَّا ذُرِّيَّةٌ مِّنْ قَوْمِهِ
عَلَى خَوْفٍ مِّنْ فِرْعَوْنَ وَوَلَّاهُمْ أَن
يَقْتُلَهُمْ ۚ وَإِنَّ فِرْعَوْنَ لَكَاِلٌ فِي الْأَرْضِ ۚ
وَأَنَّهُ لَمِنَ الْمُسْرِفِينَ ﴿٨٥﴾

وَقَالَ مُوسَى يَقَوْمِ إِن كُنْتُمْ اٰمَنْتُمْ
بِاللّٰهِ فَعَلَيْهِ تَوَكَّلُوا ۖ إِنَّ كُنْتُمْ
مُسْلِمِينَ ﴿٨٦﴾

فَقَالُوا عَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْنَا ۚ رَبَّنَا لَا

*84. And none obeyed Moses **except a generation** from among his people, because of the fear of Pharaoh and their chiefs, lest he should persecute them. And verily, Pharaoh was a tyrant in the land, and **certainly** he was of the transgressors.